मस्त रहो मस्ती में... आग लगे बस्ती में...

➢➢ 5 प्रकार की आग

➳ _ ➳ व्यर्थ और नेगेटिव की आग

→ किसी के साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है

- इस संसार में वहो हो रहा है... होना चाहिए
  - यह सोचना की यह अन्याय है... मूर्खता है

➳ _ ➳ परचिन्तन और पर्दर्शन की आग

→ दूसरों के कारण अपनी स्थिति को नीचे नहीं लाना है

- मुझे आगे ते आगे बढना है

→ हर बात की Unnecssary डिटेल नहीं रखनी है

→ हर बात की जानकारी रखनी जरूरी नहीं है

➳ _ ➳ Digital Fire

➳ _ ➳ Food

→ मैं जीने के लिए खा रहा हूँ ? या खाने के लिए जी रहा हूँ ?

- योगी अर्थात संयम.. जिसने पांचो को जीत लिया है
  - रूप
  - रस
  - गंध
  - स्पर्श
  - शब्द

→ इस जीभ को जिस चीज़ की आदत डालोगे ... उसे वही अच्छा लगेगा

- 10 दिन नमक न खाओ ... तो 11वें दिन बिना नमक का खाना ही पसंद आएगा
  - इस जीभ को कैसी आदत डालनी है... यह बिलकुल हमारे ऊपर निर्भर है...

➳ _ ➳ Familarity

→ समबंधो में आसक्ति (लगाव)

- काम से काम रखना है

→ जो आत्मा जितनी Detached… उतनी ही शक्तिशाली

- Emotionally Slave नहीं बनना है

➳ _ ➳ Name & Fame

→ स्वयं को किसी सफलता के बंधन में नहीं बाँधना है

- सेवाओं और योग में अपनी सफलता दूसरों को सुनाकर हम अपने अहंकार की तृप्ति करते हैं

➢➢ MASTI

➳ _ ➳ MURLI CHINTAN

→ नशा चड़ाओ

- Dose बढाओ
- कई बार करो
- Frequency बढाओ
- Neat Solution – इधर उधर की बातें मत सोचो
- ग्रुप्स में लो

➳ _ ➳ Amritvela

→ **Early To Bed… Early To Rise Makes A Man Wise…**

- **रात के सन्नाटे में तपस्या की जाती है**

▶ ऐसी अशरीरी अवस्था का अनुभव होना चाहिए … **जैसे शरीर टूट कर गिर गया है…**

→ आपको कितनी नींद चाहिए… यह आपके संकल्पों पर निर्भर है…

➳ _ ➳ Sewa

→ आत्म अभिमानी अवस्था में

→ बाबा की याद में

- उसको भूलकर उसकी सेवा नहीं करनी है

→ श्रीमत अनुसार

- श्रीमत छोड़कर किसी को सुख नहीं देना

→ निमित भाव से

- निरहंकारी होकर

→ निस्वार्थ भाव से

- कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं

→ अटेंशन से

→ सेवा करते हुए उस सेवा से detached

- कर्म और उसके परिणाम से Detached

➳ _ ➳ Tapasya

→ बिना किसी सेण्टर / मधुबन के प्रोग्राम के अपनी व्यक्तिगत तपस्या चलती रहे

- भट्टी चित की आंतरिक मनोदशा है

➳ _ ➳ Inner Happiness

→ यही इस जीवन का सबसे बड़ा खजाना है

- किसी भी व्यक्ति / परिस्थिति को इजाज़त नहीं मुझसे इस अनमोल खजाने को छीनने की
- कोई ऐरा गैरा नाथू खैरा हमें अपनी स्थिति से नीचे नहीं गिरा सकता
- मन को स्टील की तरह शक्तिशाली बनाना है